लियोनार्डो दा विंची

इबी लेप्स्की



लियोनार्डो दा विंची

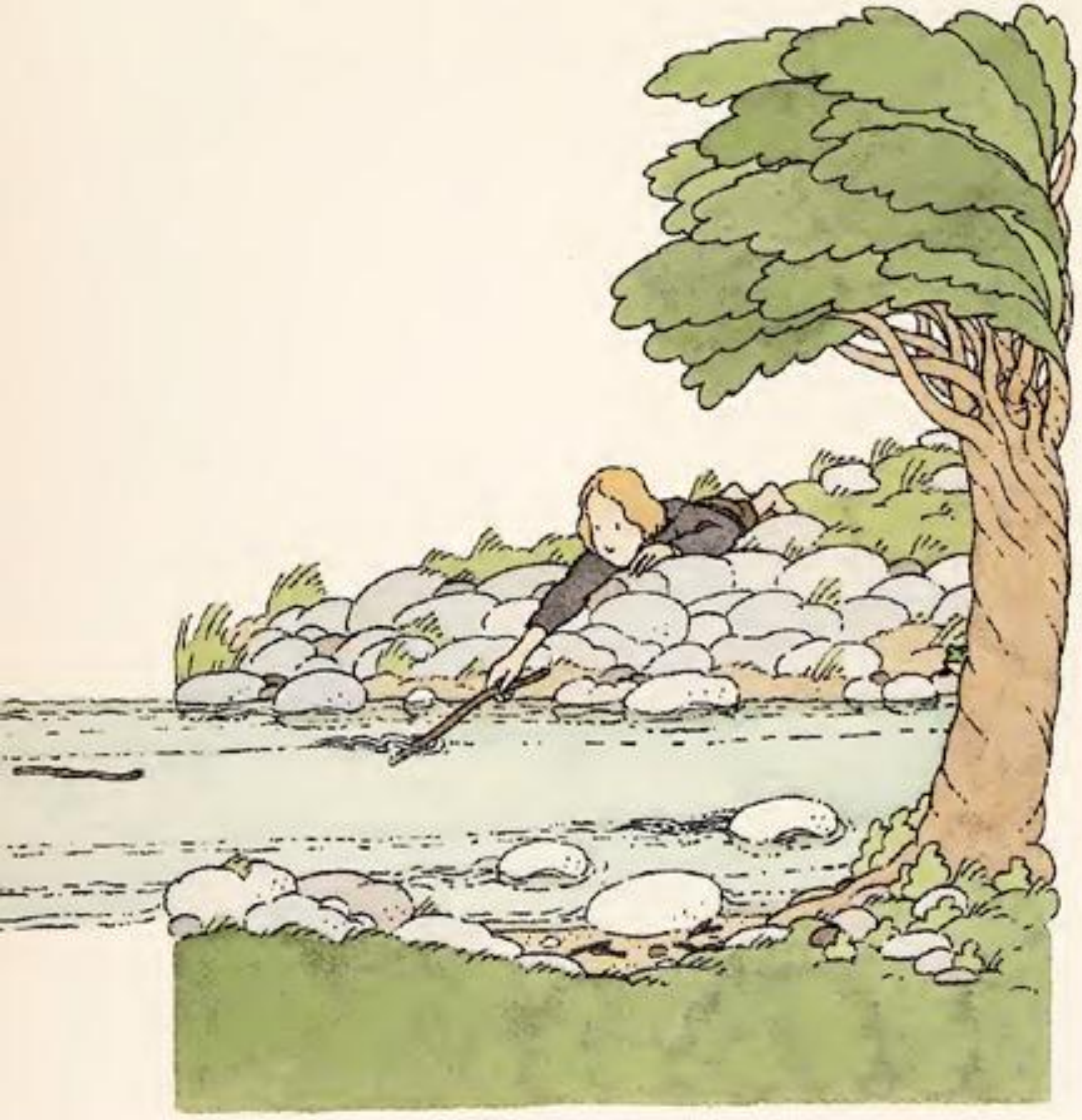
इबी लेप्स्की

चित्र : पाओलो कार्डोनी



लियोनार्डो बहुत जिज्ञासु और हिम्मत वाला लड़का था. हर दिन वो अपने गांव के आसपास के इलाकों में घूमता, वहां चीजों को देखता और सवाल पूछता था.

इंद्रधनुष में इतने अद्भुत रंग क्यों हैं? तालाब में फेंके गए कंकड़ इतने बड़े-बड़े गोले क्यों बनाते हैं?



और जब वो छोटी टहनियों को बहते में डालता, तो पानी उन्हें कहाँ ले जाता था?

लियोनार्डो के पिता को अपने बेटे पर बहुत गर्व था. उनका बेटा हमेशा व्यस्त रहता था, उसकी बहुत सारी रुचियाँ थीं और तमाम कल्पनाशील विचार थे.



लियोनार्डो एक गाँव में रहता था. उसके पिता शहर में काम करते थे लेकिन वे अक्सर लियोनार्डो से मिलने के लिए गाँव आते थे. और हर बार जब वो आते तो वो अपने बेटे के बारे में सब कुछ जानना चाहता थे विशेषकर उसने क्या-क्या बनाया और सीखा था.



एक दिन उन्हें बताया गया कि लियोनार्डो कुछ निर्माण कर रहा था. मिट्टी और पत्थरों का उपयोग करके, लियोनार्डो ने बहुत ऊंचीं टावरों वाला एक महल बनाया था. उसने एक छोटा लकड़ी का पुल और एक पिनव्हील (फिरकी) भी बनाई थी जो बहुत अच्छी तरह से काम करते थी.

लियोनार्डो के पिता एक नोटरी थे. उनके परिवार के लोगों ने दो सौ से अधिक वर्षों तक नोटरी का काम किया था. नोटरी लोग, कानूनी कागजात संभालते थे.



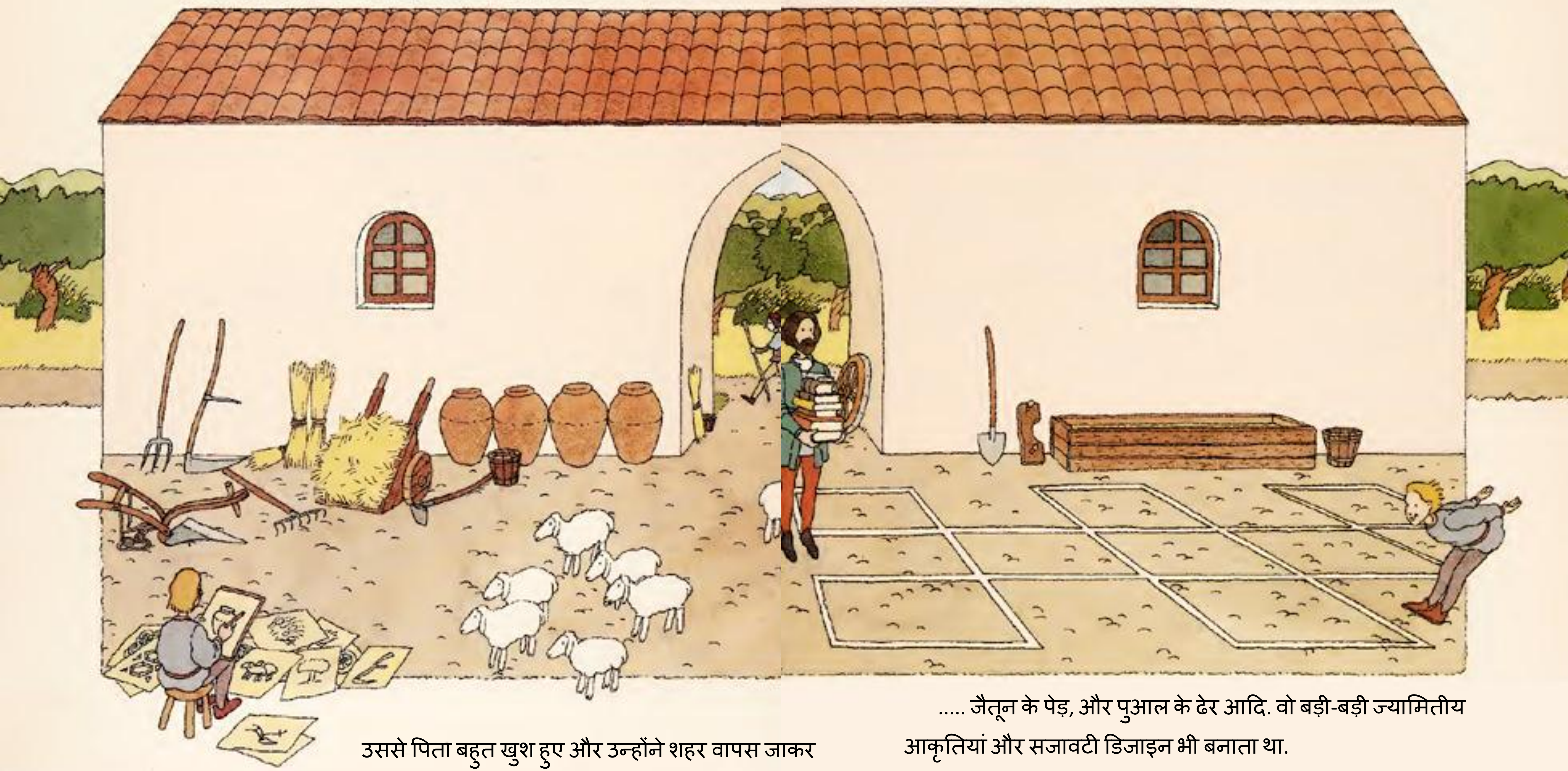
जब पिता ने लियोनार्डो को फिरकी के साथ दौड़ते देखा, तो उन्होंने सोचा, "मैं लियोनार्डो की इस रुचि से खुश हूं. लियोनार्डो एक दिन ज़रूर इंजीनियर या फिर आर्किटेक्ट बनेगा, और फिर उसे नोटरी के उबाऊ काम से छुटकारा मिलेगा."



उससे पिताजी बहुत खुश हुए. वो शहर वापिस गए और उन्होंने लियोनार्डो के लिए इंजीनियरिंग, यांत्रिकी और आर्किटेक्चर की किताबें खरीदीं. लेकिन जब वो वापिस गाँव लौटे, तो लोगों ने उन्हें बताया कि उनके बेटे ने कुछ समय से महल, पुल, या पिनव्हील्स आदि नहीं बनाए थे. इस बीच उसने सिर्फ प्रकृति का अध्ययन किया था. उसने बारीकी से चींटियों और अन्य कीड़े-मकौड़ों को देखा. उसने कंकड़ इकट्ठे किए और फिर घंटों बैठकर फूलों, पत्तियों और एकोर्न के आकार और नमूनों की जांच की.



"शायद मैंने गलत सोचा," पिता को लगा, जब लियोनार्डो को उन्होंने एक बीटल (कीड़े) को मंत्रमुग्ध होकर निहारते हुए देखा. "मुझे लगता है कि लियोनार्डो प्राकृतिक वैज्ञानिक बनेगा. हाँ, वो एक प्रसिद्ध वनस्पतिशास्त्री या शायद भूविज्ञानी भी बन सकता है. चलो, कम-से-कम उसे नोटरी के उबाऊ काम से तो छुटकारा मिलेगा."



उससे पिता बहुत खुश हुए और उन्होंने शहर वापस जाकर लियोनार्डो के लिए वनस्पति विज्ञान, प्राकृतिक विज्ञान और भूविज्ञान की किताबें खरीदीं. लेकिन जब वे गाँव लौटे, तो उन्हें बताया गया कि उनका बेटा अब कीड़ों, कंकड़ों और फूलों का अध्ययन नहीं कर रहा था. उसकी बजाए अब वो केवल चित्र बना रहा था. लियोनार्डो जो कुछ भी देखता वो उन सभी चीज़ों के चित्र बनाता: किसानों के उपकरण, पानी के जग, मेमने.....

..... जैतून के पेड़, और पुआल के ढेर आदि. वो बड़ी-बड़ी ज्यामितीय आकृतियां और सजावटी डिजाइन भी बनाता था.

"शायद मैंने उसे गलत समझा," पिता ने सोचा. उन्होंने लियोनार्डो को जमीन पर चाक से खींचे बड़े चौकोरों से बाहर कूदते हुए देखा. "हो सकता है मेरा लियोनार्डो एक चित्रकार बने. हां, अब मुझे ऐसा लगता है कि वो एक महान चित्रकार बनेगा और मेरे परिवार की उबाऊ नोटरी परंपरा को तोड़ेगा."



बहुत खुश होकर, लियोनार्डो के पिता शहर वापस गए और उन्होंने पेंट, ब्रश, कागज के रोल, ज्यामिति और सजावटी डिजाइनों की किताबें खरीदीं. लेकिन जब वो गांव लौटे, तो लोगों ने उन्हें बताया कि लियोनार्डो ने अब ड्राइंग बनाना बंद कर दी थी.



उसके बजाए, लियोनार्डो की अब उड़ान में दिलचस्पी जगी थी. पक्षी कैसे उड़ते हैं? उन्हें देखने में उसने घंटों बिताए थे. पक्षी अपने पंखों को कैसे फड़फड़ाते थे, कैसे वे अपनी पूंछ हिलाते हुए हवा में मँडराते थे, वे खुदको हवा में कैसे ढोते थे, और वे पृथ्वी पर कैसे वापस उतारते थे.



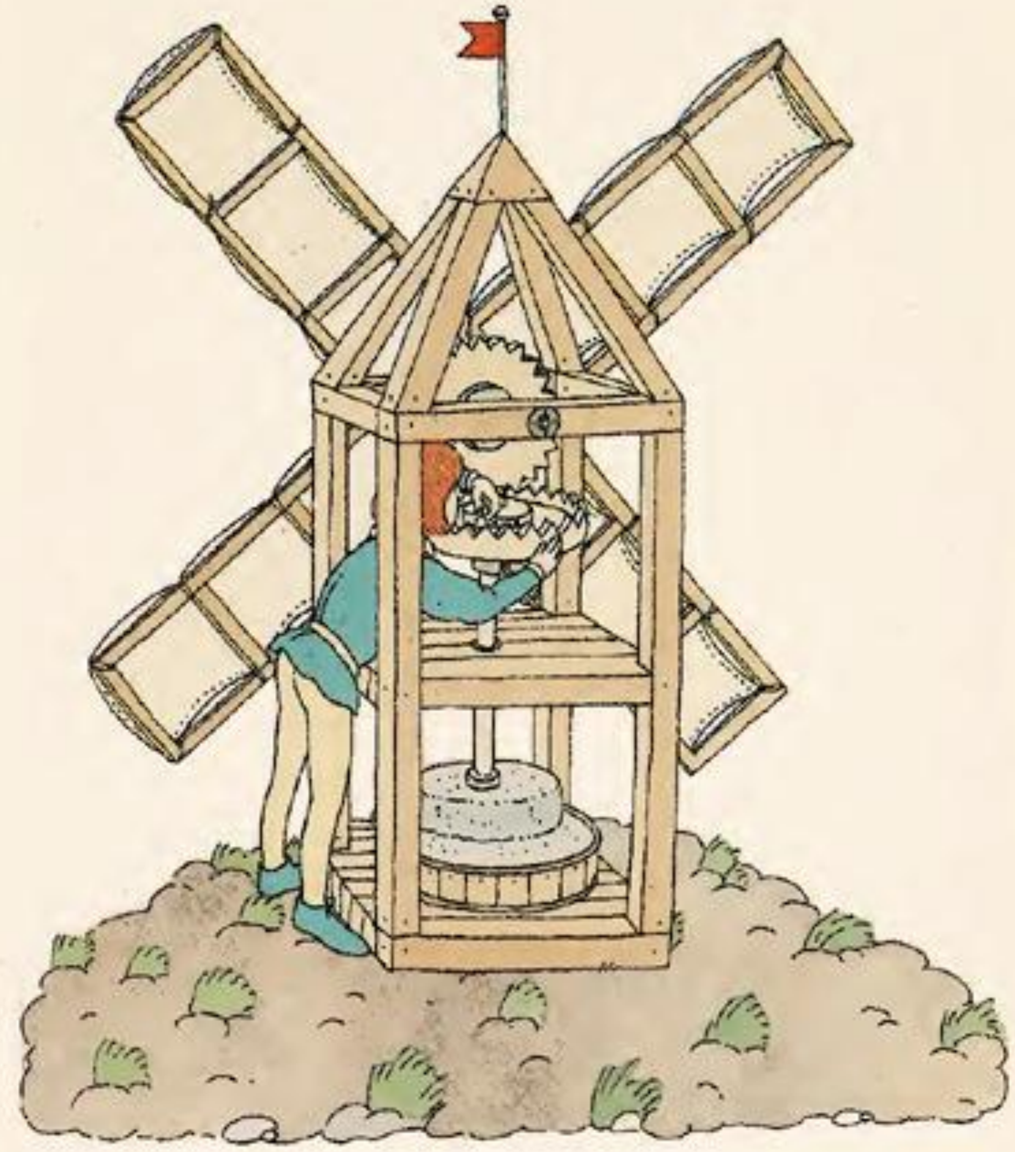
लियोनार्डो की उड़ान में दिलचस्पी के कारण उसकी हवा में भी रूचि पैदा हुई. उसने गौर से देखा कि हवा बादलों का पीछा कैसे करती थी और पेड़ों से गिरने वाले पत्ते कैसे धीरे-धीरे हवा में घूमते हुए ज़मीन पर कैसे गिरते थे.

लियोनार्डो ने एक बड़ी पतंग भी बनाई जो आसमान में बहुत ऊंची उड़ी.

हालांकि, इस बार लियोनार्डो के पिता कुछ निराश हुए.

"लगता है मेरा बेटा कुछ ज़्यादा ही चंचल है," पिता ने सोचा, जब उन्होंने लियोनार्डो को हाथ में पतंग लिए दौड़ते हुए देखा. "वह सौ अलग-अलग चीज़ें शुरू करता है, और फिर जल्दी ही उनसे थककर ऊब जाता है. कहीं ऐसा न हो कि अंत में लियोनार्डो को नोटरी ही बनना पड़े."





लियोनार्डो के पिता बहुत दुखी हुए और वे शहर वापस लौटे. अब उन्हें अपने बेटे की चिंता थी. उन्हें यह पता नहीं था कि लियोनार्डो क्या बनेगा.

लेकिन जब वो फिर से गाँव लौटे, तो लोगों ने उन्हें बताया कि उनका बेटा एक बार फिर से महल, पुल और पिनव्हील्स (फिरकी) बना रहा था और अब, उसके अलावा, उसने एक पवनचक्की भी बनाई थी जो अच्छी तरह से काम करती थी.



लोगों ने बताया कि लियोनार्डो एक बार फिर कीड़े, कंकड़, फूल, और पत्ते निहार रहा था और अब, इसके अलावा, उसने बड़े जानवरों - लोमड़ियों, साही और बैजर का भी अध्ययन किया था.



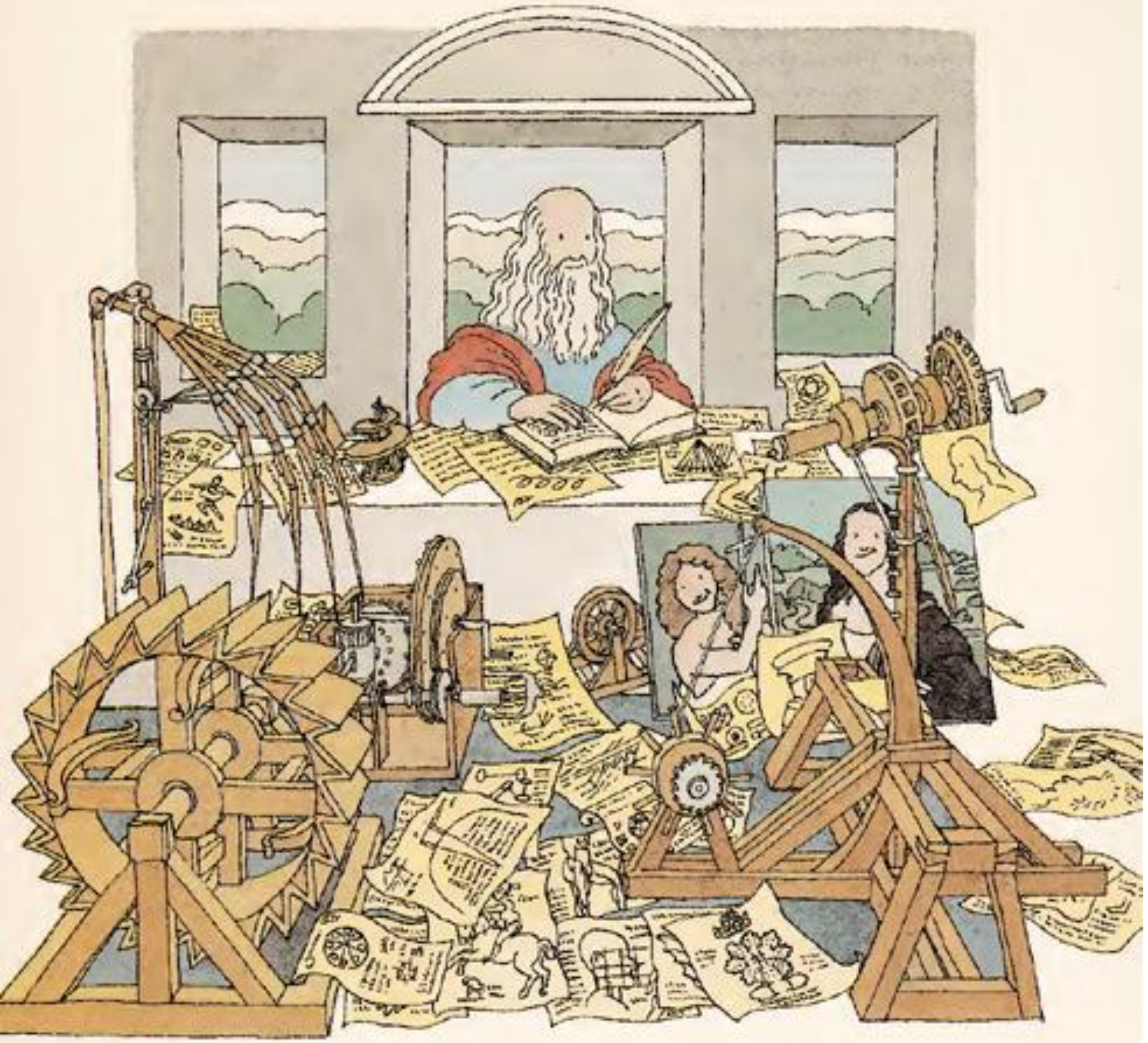
उन्हें बताया गया कि लियोनार्डो एक बार फिर से चित्रकारी कर रहा था, और उसके साथ-साथ वो ज्यामितीय आकृतियां और सजावटी डिजाइन भी तैयार कर रहा था. अब उसे जो भी लोग मिलते वो उनकी तस्वीरें बनाता था.



लियोनार्डो के पिता को लोगों ने यह भी बताया कि उनका बेटा अभी भी इस बात में दिलचस्पी रखता था कि पक्षी कैसे उड़ते हैं और हवा कैसे काम करती है और अब, इसके अलावा, वो खुद हवा में उड़ना चाहता था. वास्तव में, लियोनार्डो ने दो बड़े पंख बनाए थे और खुद को एक खलिहान की छत से लॉन्च किया था. सौभाग्य से, वो चोट लगे बिना पुआल के ढेर पर गिरकर बच गया.

साथ ही, कुछ नया भी हुआ था. लियोनार्डो अब ग्रहों, सितारों और चंद्रमा को देखने के लिए देर रात तक जागा रहता था.

लियोनार्डो के पिता को अचानक समझ में आया कि उनके बेटे का दिमाग अस्थिर नहीं था और चीज़ों में उसकी रूचि सतही नहीं थी. लियोनार्डो, की वास्तव में, हर चीज में रुचि थी और हर चीज के लिए उसमें एक असाधारण क्षमता थी.



लियोनार्डो जब बड़ा हुआ तो उसने वो सबकुछ किया जो उसके पिता ने सोचा था कि वो करेगा - इंजीनियर, आर्किटेक्ट, वनस्पति-विज्ञानी, चित्रकार, आविष्कारक. इनके साथ-साथ उसने और बहुत कुछ किया - लियोनार्डो दा विंची अपने समय का सबसे महान विचारक और रचनाकार भी था.

समाप्त